वर्तनी

PART→5

नियम नं०-6 → ड़, ढ़ (ताड़नजात व अत्क्षिप्त व्यंजन/ द्विगुण व्यंजन)

(i) ताड़नजात ध्वनियों से कभी-भी किसी शब्द शुरूआत नहीं होती है

उदा०- ढक्कन, डमरू, सड़क, लड़का, लड़की गुड़गाँव, ढंग, जड़, बढ़िया, ढोलक आदि।
कपड़े, चंडीगढ़

(ii) जब किसी शब्द पर अनुस्वार ं लगा होता है, तो ताड़न-जात का प्रयोग नहीं किया जाता है।

उदा०- ढंग, डंडा, अंडा, ठंडा

(iii) अंग्रेजी के शब्दों में कभी-भी ताड़न जात का प्रयोग नहीं किया जाता है।

उदा०- रोड, बैंड, बोर्ड, रेडियो, बेंडरूम, कार्ड, लीडर स्टूडियो, आदि।

(iv) द्वित्व व्यंजन आने पर कभी-भी ताड़न जात का प्रयोग नहीं किया जाता है।

उदा०- झ्ड्यन, लड्डू, टिड्डी, हड्डी, गड्डा, ह्वाड्डि-अड्डा, गुड्डू, कबड्डी आदि।

(v) उपसर्ग के आने पर भी ताड़नजात का प्रयोग नहीं किया जाता है।

उदा०- निडर ⟶ नि+डर

अपवाद- अन+पढ़ ⟶ अनपढ़

नियम नं०-7 → न सम्बंधी नियम

र, ऋ, ष, क, ख, ग, घ, प, फ, ब, भ आने पर
ष, र, ल, व (कोई स्वर) आने पर न-ण में
बदल दिया जाता है।

कृष्ण, आभूषण, आक्रमण, पुराण,
तृष्णा, रामायण, विष्णु, घृणा
हरिण, लक्ष्मण, रावण

शुद्ध शब्द

(1) अंजलि
(2) अंगना
(3) आँगन
(4) अक्षुण्ण
(5) ऊर्मिला / निर्मल, दुर्बल
(6) अहल्या
(7) कौशल्या, कौसल्या ✓
(8) कैलास
(9) अंत्याक्षरी / अन्त्याक्षरी
(10) अक्षौहिणी
(11) अभ्यस्त
(12) अन्तर्राष्ट्रीय / अंतरराष्ट्रीय
(13) आशीर्वाद
(14) आविष्कार
(15) अनधिकार
(16) अधीन
(17) अंतर्धान / अन्तर्धान
(18) अमावस्या
(19) आध्यात्मिक (अध्यात्म + इक)
(20) अतिशयोक्ति